JESUS REDEEMS MINISTRIES

युवा जीवन

जुलाई 2024

प्यास

एक व्यक्ति को तैयार कर, उसे सुसमाचार का प्रचार करने के लिए प्रोत्साहित करना ही प्रभु के लिए हमारी अनंत प्यास है।

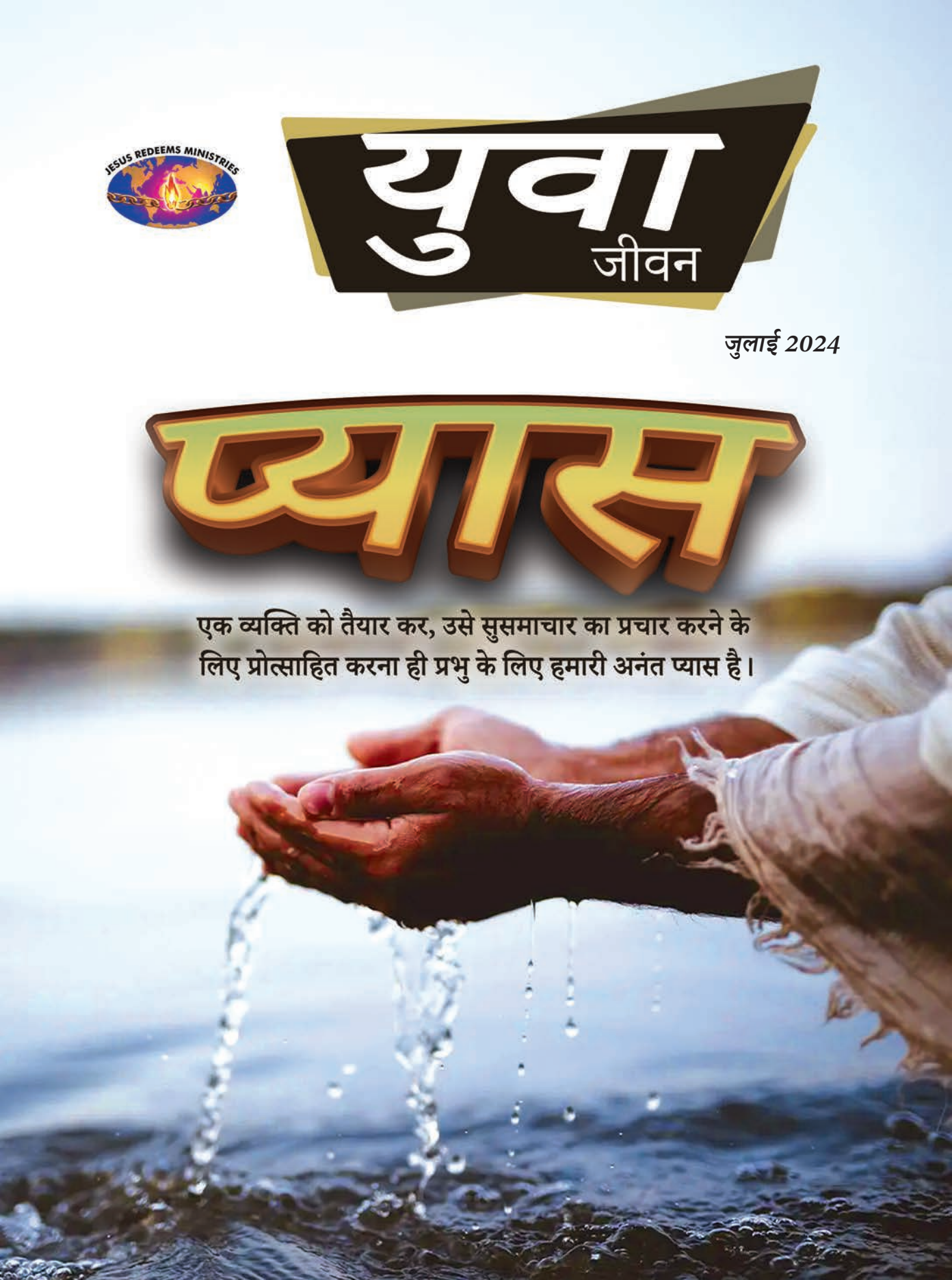

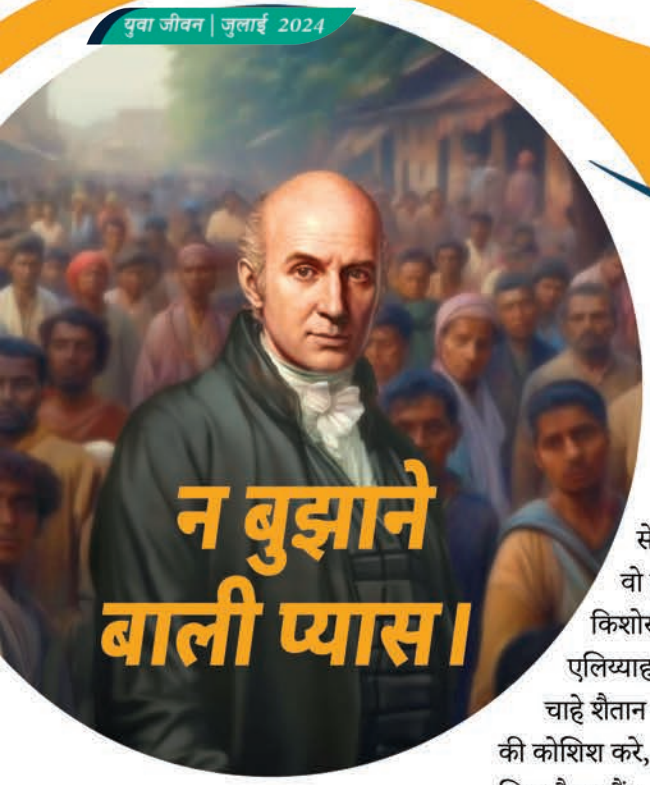

प्रस्तावना

मेरे प्रिय नौजवानों ! यीशु मसीह के बहुमूल्य नाम में प्यार भरा नमस्कार ! इसमें कोई संदेह नहीं है कि परमेश्वर, जिसने आपकी रचना की है, एक महान उद्देश्य के लिए आप नौजवानों को ढाल रहा है, मजबूती और आकार दे रहा है। मुझे एहसास है कि हर एक महीना अपने साथ नई चुनौतियाँ लेकर आता है। कुछ लोग हैं जो उन चुनौतियों से ऊपर उठकर उन पर विजय प्राप्त करते हैं, और कुछ ऐसे भी हैं जिन पर वो हावी होकर उन्हें थका देतीं हैं। याद रखें कि आप सिर्फ सहन करने वाले किशोर नहीं, हासिल करने वाले किशोर भी हैं। ऐसा विश्वास रखें जैसा एलिय्याह का, की आप ही वे लोग हैं जो यह प्रगट करते हैं कि "प्रभु, परमेश्वर है।" चाहे शैतान आपको कितनी भी बार आपको लुभाने, कमज़ोर करने और नष्ट करने की कोशिश करे, यह न भूलें कि यीशु आप पर नज़र रखने और आपकी रक्षा करने के लिए मौजूद हैं।

इन दिनों, कई नौजवानों में विभिन्न तरह की अभिलाषाएं और कामनाएं होती हैं। वे इन्हीं का पीछा करते हैं और अपने जीवन में कई मुश्किलों का सामना करते हैं। लेकिन, परमेश्वर की सन्तान होने के नाते यदि आपकी अभिलाषाएं और इच्छाएं परमेश्वर के लिए हैं और उनकी योजना को पूरा करने के लिए है, तो आप सर्वोच्च देख सकते हैं।

विलियम कैरी, एक नौजवान इंग्लैंड से, एक साधारण जूते मरम्मत करने वाले के रूप में काम करते थे। लेकिन भारत में सुसमाचार लाना उनकी कभी न बुझने वाली अभिलाषा थी। अपने कार्यस्थल पर भी, वे भारत का नक्शा बिछाकर प्रार्थना किया करते थे। उन्होंने कई मुश्किलों और हानियों के बीच सुसमाचार प्रचार के मिशन के लिए खुद को समर्पित कर दिया। भारत के लोगों के साथ सुसमाचार साझा करने के अलावा, उन्होंने बाइबल का बंगाली, उड़िया, मराठी, हिंदी, असमिया और संस्कृत सहित कई भाषाओं में अनुवाद किया। उन्होंने कुछ हिस्सों का 29 भाषाओं में अनुवाद भी किया। विलियम कैरी का परमेश्वर के प्रति अदम्य उत्साह ही वह कारण था जिससे उन्होंने परमेश्वर के लिए बहुत बड़े बड़े कामों को किया। उनका आदर्श वाक्य था "परमेश्वर के लिए महान कार्यों का प्रयास करें; परमेश्वर से महान बातों की आशा करें।"

कई लोग अपने आप को परमेश्वर के प्रति इसलिए समर्पित करते हैं क्योंकि वे उनके लिए प्यासे हैं। उसी लड़ी में एक प्यासे योद्धा बने रहें, उठें और बेदारी के लिए प्रयास करें!

अगले विलियम कैरी आप हो सकते हैं जिन्हें परमेश्वर इस्तेमाल करना चाहता है! प्रार्थना करें और कार्य की शुरूआत करें!

मसीह के मिशन में
मोहन सी. लाजर

प्रेरित करने वाले कदमों के निशान।

युवा विजेताओं को मेरा प्रेम भरा अभिनदंन। जीवन की यात्रा उत्तेजना से भरी हुई है। कई बार हमारी उम्मीदें पूरी होती है, जबकि कई बार निराशा हाथ लगती है। लेकिन याद रखें कि यह सृष्टि लगातार हमारे लिए काम कर रही है। विजेता वो हैं जो चुनौती भरे जीवन में बहादुरी से बाधाओं का सामना करते हैं। आज, एक विजेता का जीवन आपके लिए एक उदाहरण के रूप में काम करता है।

दिल्ली के गौरव चोपड़ा ने बाटा, हश पप्पीज़, प्यूमा और बेनेटन जैसे लोकप्रिय फुटवियर ब्रांडों के साथ मिलकर शू डिजाइनर के रूप में काम किया। खुले पैर के जूते (फ्लिप-फ्लॉप) के लिए ग्राहकों की पसंद को देखते हुए, उन्हें इनके निर्माण में गहरी दिलचस्पी हो गई। हालाँकि, उन्होंने पाया कि इन फुटवियर ब्रांडों ने नई डिज़ाइन बनाने में अधिक समय और ध्यान नहीं लगाया।

नवंबर 2018 में, गौरव ने उपभोक्ता ब्रांड विशेषज्ञ सुमंत काकरिया, विक्रम अय्यर और अपराजित कथूरिया के साथ मिलकर ब्रांडेड फ्लिप-फ्लॉप की मांग को पूरा करने के लिए सोल थ्रेड्स नामक एक कंपनी शुरू की।

हालाँकि फ्लिप-फ्लॉप भारत में लोकप्रिय थे, गौरव का लक्ष्य ऐसे खुले जूते के लिए संगठित बाजार में एक स्थायी, बढ़ौतरी वाला स्थान बनाना था। ब्रांड का मिशन नया डिज़ाइन तैयार करना था जो युवाओं को पसंद आए।

कम लागत के साथ छोटी शुरुआत करते हुए, सोल थ्रेड्स को दिसंबर 2019 में प्रमुख ई-कॉमर्स मंचों पर इसका शुभारंभ किया गया और इसे जबरदस्त प्रतिक्रिया और उपभोक्ताओं का आकर्षण प्राप्त हुआ। अमेज़ॅन पर शुभारंभ होने के केवल 4 महीनों के अंदर ही, सोल थ्रेड्स ने ₹ 50 लाख जीएमवी को पार कर लिया और ई-कॉमर्स मंच पर एक उभरते ब्रांड के रूप में पहचान बनाया। कुल मिलाकर इसने शुरुआत के 7 महीनों के अंदर ₹ 1 करोड़ की आय प्राप्त कर ली।

सोल थ्रेड विशेष रूप से भारत में बनाए जाते हैं। किसी भी तरह के जूते बनाने के बजाय, यह हर एक को भिन्न बनाने के लिए ग्राफिक डिज़ाइन, पीवीसी पट्टियाँ इत्यादि जैसे विभिन्न तरीकों का इस्तेमाल करते हैं। अभी के समय में सोल थ्रेड्स अपनी वेबसाइट के अलावा, अमेज़ॅन, फ्लिपकार्ट और मिंत्रा जैसे ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर भी बिक्री करता है।

हालांकि गौरव की जीवन यात्रा को हासिल करना आसान लग सकता है, एक नए ब्रांड को शुरू करने में और ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए बहुत कड़ी मेहनत और कोशिश करनी पड़ती है। तब जाकर कोई सफल हो सकता है। थोड़े ही समय में, ये दोस्त इकट्ठे हो गए, अपनी योग्यता के साथ कड़ी मेहनत की, सही समय पर ग्राहकों की ज़रूरतों को पहचाना और नए तरीके से काम, जिससे आज सफलता मिली है।

प्रिय मित्रों, इसे पढ़कर आप एक दिलचस्प जीवन व्यतीत करेंगे। जोखिम भरे जीवन के लिए खुद को तैयार करें। आपके कदम कई अन्य लोगों को उनकी यात्रा के लिए प्रेरित कर सकते हैं।

मसीही परिवार में जन्मे और आध्यात्मिक जीवन में पले-बढ़े, शिक्षा में रुचि न होने के बावजूद, उन्होंने कंप्यूटर के प्रति अपने जुनून को बड़े उत्साह के साथ आगे बढ़ाया और आज वे एक सफल प्रौद्योगिकी उद्यमी के रूप में खड़े हैं। आइए भाई गॉडविन की कहानी सुनें जो अपनी यात्रा के बारे में बताते हैं।

आज हम आपको एक सफल उद्यमी के रूप में देखते हैं। क्या आप स्कूल में पढ़ाई में बहुत अच्छे थे या समय के साथ इसमें बदलाव आया?

छोटी उम्र से ही, मुझे अपनी पढ़ाई में संघर्ष करना पड़ा। 6वीं से 12वीं कक्षा तक, मुझे लगातार असफलता का सामना करना पड़ा। हालांकि, मैं किसी तरह वार्षिक परीक्षा पास कर लेता था। मुझे अभी भी समझ में नहीं आता कि मैं पहली बार "फेल" ग्रेड प्राप्त करने के बाद 7वीं कक्षा में कैसे पास हो गया। किसी तरह, प्रभु ने मुझे प्रत्येक चरण में मार्गदर्शन किया। पढ़ाई वास्तव में कभी भी मेरे लिए कारगर नहीं रही।

लेकिन मुझे कंप्यूटर के साथ कुछ हासिल करने की तमन्ना थी। इसलिए मैं अपना अधिकांश समय उसी पर व्यतीत करता था। इस वजह से, 10वीं कक्षा में, मेरा कंप्यूटर घर पर छिपा हुआ था, इसलिए मैं उसका उपयोग नहीं कर सका। इस बात ने मुझे पक्का कर दिया कि जिस दिन मेरी परीक्षा समाप्त होगी, मैं एक नया कंप्यूटर खरीदूंगा। पढ़ाई मेरे लिए बहुत मुश्किल थी।

क्या आप अपनी पढ़ाई में आने वाली कुछ चुनौतियों के बारे में बता सकते हैं?

छोटी उम्र से ही गणित और विज्ञान जैसे विषय मेरे लिए कठिन थे। चाहे मैं कितना भी पढ़ूं या कक्षाओं में भाग लूं, सफलता पहुँच से बाहर लगती थी। उस समय, मेरी माँ के अक्सर कहे जाने वाले शब्द, "परमेश्वर को थामे रहो," मुझे दिलासा देते थे। मैंने दृढ़ता से इन वचनों को थामे रखा, "जो मुझे सामर्थ्य देता है उसमें मैं सब कुछ कर सकता हूँ।" (फिलिप्पियों 4:13)।

ठीक है, आपने अपनी माँ की सलाह और प्रभु की मदद से कठिन शैक्षणिक यात्रा कैसे पार की?

10वीं कक्षा की सामान्य परीक्षा के लिए, हर रोज़ ट्यूशन सुबह 6 बजे से शुरू होकर रात 10 बजे तक चलती थी। मैं हमेशा व्यस्त रहता था। मैं रात 10 बजे ही घर लौटता था। इसके अलावा, शैक्षणिक रूप से पिछड़े छात्रों के लिए कोई छुट्टी नहीं थी। स्कूल में

सुबह से शाम तक हमारी विशेष कक्षाएँ होती थीं। मैंने स्कूल में सब कुछ पढ़ा। जब मैं सामान्य परीक्षा देने गया और प्रश्नपत्र देखा, तो मुझे कुछ भी याद नहीं आया जो मैंने पढ़ा था। सब कुछ भूल गया था। किसी तरह, मैंने परीक्षा पूरी की और राहत महसूस की। नतीजों से एक रात पहले, मैं इस डर से जकड़ा हुआ था: "यीशु, अगर मैं फेल हो गया तो मैं क्या करूँगा?" नतीजे सामने आए, और हम सब की हैरानी के लिए, मैं चमत्कारिक ढंग से पास हो गया। प्रभु ने अद्भुत रूप से मेरी 10वीं कक्षा पूरी करने में मदद की। हालाँकि मेरे अंक कम थे, लेकिन मैं बहुत खुश था।

अद्भुत....! तो आपने किसी तरह 10वीं कक्षा पूरी कर ली। आपने 12वीं कक्षा के लिए कैसे पढ़ाई की?

जैसे मैंने 10वीं कक्षा के लिए ट्यूशन लिया, वैसे ही मैंने 12वीं कक्षा के लिए भी किया। परीक्षा देने के बाद, मैंने छुट्टियों का आनंद लिया। नतीजों से एक रात पहले, मैं सो नहीं सका, यह सोचकर कि मैं पास होऊंगा या नहीं और मुझे कितने अंक मिलेंगे। नतीजों के दिन, चूँकि इंटरनेट नहीं था, इसलिए मैं अपना रिजल्ट नहीं देख सका। मेरे प्रिंसिपल के बेटे ने, जो मेरे साथ पढ़ता था, मेरा रिजल्ट चेक किया और मेरे घर पर फोन किया। जब मेरी माँ ने फोन उठाया, तो उसने कहा, "यीशु की स्तुति हो।" तभी मुझे लगा कि मैं जीवित हूँ। मैं बहुत खुश था कि मैं पास हो गया। 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद, मैं कॉलेज में दाखिल हो गया। चूँकि मुझे कंप्यूटर का बहुत शौक था, इसलिए मैंने कॉलेज में कंप्यूटर इंजीनियरिंग में बी.ई. की पढ़ाई की। कॉलेज में कई बदलावों के मध्य प्रभु मुझे लिए चला।

रोमांचक...! कॉलेज में आपने क्या बदलाव अनुभव किए?

कॉलेज के तीसरे साल में, छुट्टियों के दौरान जब मैं घर गया, तो मेरे पिता ने मुझे अपने दोस्त, जो एक डॉक्टर थे, के लिए सॉफ़्टवेयर विकसित करने के लिए कहा। मैंने अपने पिता से कहा कि मैं अभी भी पढ़ाई कर रहा हूँ और मुझे नहीं पता कि यह कैसे करना है। लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि चूँकि मैं 12वीं कक्षा से कंप्यूटर जानता हूँ, इसलिए मुझे यह करने में सक्षम होना चाहिए। इसलिए मैंने डॉक्टर से ऑर्डर लिया और पेशगी लेकर 2 महीने में इसे देने का वादा किया। मुझे नहीं पता था कि सॉफ़्टवेयर कैसे विकसित किया जाता है। मैंने कई तरह से कोशिशें कीं। एक महीने हो गया, मैंने कुछ भी नहीं किया था। एक दिन, कंप्यूटर के सामने बैठे हुए, इस उलझन में कि क्या करना है, मैंने आईटी मित्र की तलाश करने की कोशिश की जो मदद कर सके लेकिन कोई नहीं मिला। फिर, व्यापक गूगल में खोज के माध्यम से, परमेश्वर ने मुझे डॉक्टर द्वारा बताए गए प्रोग्राम से अधिक करने में मदद की। जब मैंने इसे पूरा किया और उनकी अपेक्षा से अधिक दिया, तो उनकी पत्नी ने भी एक प्रोग्राम के लिए कहा, जिसे पूरा करने में परमेश्वर ने मेरी मदद की। यह मेरा पहला प्रोजेक्ट था।

शानदार...! आप कॉलेज में रहते हुए ही एक सॉफ्टवेयर डेवलपर बन गए। क्या आपने उसके बाद भी पढ़ाई जारी रखी? क्या आप अपने करियर के बारे में बता सकते हैं?

कंप्यूटर इंजीनियरिंग पूरी करने के बाद, परमेश्वर ने मुझे ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में मैक्वेरी विश्वविद्यालय से सूचना प्रौद्योगिकी(इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी) में मास्टर्स करने की आशीष दी। वहाँ मेरी पढ़ाई के दौरान, परमेश्वर ने मुझे आईटी क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने और विभिन्न तकनीकी पहलुओं को सीखने के लिए ज्ञान और अनुग्रह दिया।

ऑस्ट्रेलिया में मेरी पढाई की दौरान, परमेश्वर ने मुझे भारत में एक टीम बनाने में मदद की, और वे विभिन्न सॉफ्टवेयर विकसित करने लगे। अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद, मैं भारत आया, टीम बनाई और एक व्यवसाय शुरू किया। एक

दिन, मेरे पिता ने मुझे फिर से "स्ट्रीमिंग सॉफ़्टवेयर" विकसित करने के लिए कहा। परमेश्वर के अनुग्रह से, मैं उसे भी पूरा करने में सक्षम था। धीरे-धीरे, ग्राहकों की आवश्यकताओं के आधार पर, हमने कई उन्नत सॉफ़्टवेयर समाधानों का आविष्कार और विकास किया। इस तरह से व्यवसाय बढ़ता गया।

परमेश्वर की स्तुति हो! परमेश्वर ने आपको बहुतायत से आशीषित किया है और आपके व्यवसाय में आपको ऊपर उठाया है। आपका विवाहित जीवन कैसा रहा?

2010 में, परमेश्वर ने मुझे एक सुंदर और प्रार्थना करने वाली आध्यात्मिक पत्नी दी, जिनका नाम सुनीता है। हालाँकि, हमने एक बच्चे के लिए 12 साल इंतजार किया। वह अवधि हमारे जीवन का सबसे कठिन समय था। हमारे विश्वास की अप्रत्याशित तरीके से परख हुई। सामाजिक दबाव, जीवन के बारे में संदेह और परमेश्वर की प्रतिज्ञा का इंतजार करना आसान नहीं था।

"आशा में आनन्दित रहो, क्लेश में धीरज रखो, प्रार्थना में दृढ़ रहो" (रोमियों 12:12) इस वचन ने हमारा मार्गदर्शन किया। चर्च, परिवार और करीबी दोस्तों से मिले प्रोत्साहन और समर्थन ने हमारी बहुत मदद की। बच्चे के लिए जिन वर्षों तक हमने इंतजार किया, उससे हमारा विश्वास मजबूत हुआ और हमें कई बातें सीखने को मिलीं। 12 साल बाद, अपने वादे के मुताबिक, 17 जनवरी, 2023 को, परमेश्वर ने हमें एक सुंदर पुत्र दिया, जिसने हमारा अपमान दूर कर दिया। परमेश्वर की स्तुति हो, जिन्होंने हमारा तिरस्कार दूर कर दिया।

हालेलुयाह ! परमेश्वर ने आपके जीवन में जो किया है वो वास्तव में अद्भुत है। तो, वर्तमान में, आप क्या करते हैं?

2016 में, परमेश्वर ने मुझे अपनी खुद की यूएस-आधारित सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट कंपनी (अल्ट्रोसिन टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड) शुरू करने में मदद की। अब हमारे पास नए तकनीकी सॉफ्टवेयर समाधान बनाने वाले 25 से अधिक कुशल विकासक (डेवलपर) हैं। परमेश्वर ने हमें 2000 से अधिक प्रोजेक्ट पूरे करने में मदद की है। इसके अतिरिक्त, परमेश्वर ने मुझे एक और भारतीय-आधारित आईटी कंपनी, सीडी(CD) टेक इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड भी दी है, जिसे वह मुझे प्रबंधित करने में मदद कर रहे हैं।

आप युवाओं से क्या कहना चाहेंगे?

परमेश्वर ने मुझे, जो पढ़ाई में लगातार असफलताओं का सामना कर रहा था और बेकार समझा जाता था, अपनी असीम बुद्धि के माध्यम से एक टेक साइंटिस्ट में बदल दिया है, जिससे मैं अकल्पनीय चीजें करने में सक्षम हूं। चाहे रास्ता कितना भी कठिन क्यों न हो, आशा में दृढ़ रहें और प्रार्थना में दृढ़ रहें। जो लोग आंसुओं में बोते हैं, वे आनंद से जय जयकार के साथ काटेंगे। अपने जीवन के लिए परमेश्वर की योजना पर विश्वास रखें। परमेश्वर के वादे निश्चित रूप से पूरे होंगे। चाहे आपके रास्ते में कोई भी अपमान, निंदा या संघर्ष क्यों न आए, अगर आप प्रभु में बने रहेंगे, तो वह सब कुछ सम्पूर्णता से पूरी करेगा।

मेरे प्रिय नौजवानों ! क्या आप भी भाई गॉडविन की तरह हैं, जिनकी शैक्षणिक प्रगति में कमी है, लेकिन आप कुछ हासिल करना चाहते हैं? प्रभु निश्चित रूप से आपके लिए भी दरवाज़े खोलेंगे। आपको बस इंतज़ार करना है, उनके प्रतिज्ञाओं पर विश्वास करना है और प्रार्थना करनी है। आप भी महान स्तर को प्राप्त कर सकते हैं!!

TECH - 6

मोबाइल फ़ोन संभालें

प्रिय नौजवानों, यीशु मसीह के मधुर नाम में, आपको मेरा प्यार भरा नमस्कार। हमने पिछले महीने क्लाउड स्टोरेज (Cloud storage) के बारे में सीखा, और यह भी की कैसे गूगल शीट्स (Google sheets) और डॉक्स(Docs) इसके साथ अंतर-संचालित हैं। आइए इस महीने गूगल फोटोज(Google Photos) पर एक नज़र डालते हैं, जो क्लाउड स्टोरेज के साथ काम करता है।

आमतौर पर यह माना जाता है कि यादें ही ऐसी चीज़ें हैं जो इस दुनिया में हमेशा के लिए रहती हैं। आजकल, फ़ोटो हमारे अतीत को फिर से जीने में महत्वपूर्ण प्रभाव डालती हैं। मोबाइल फ़ोन के आविष्कार से पहले, फ़ोटो सिर्फ़ मुद्रित शीट हुआ करती थीं; उन्हें एक एल्बम में सुरक्षित रखा जाता था। मोबाइल फ़ोन फ़ोटोग्राफ़ी के आविष्कार के बाद, हर कोई मोबाइल फ़ोन पर तस्वीरें लेने लगा। हालाँकि, अगर फ़ोन अप्रत्याशित रूप से खराब हो जाए, तो सारा डेटा और तस्वीरें खो जाएँगी।

कुछ महत्वपूर्ण तस्वीरें खोना ज़्यादा दुखदायी होगा। इसके निवारण के रूप में, हमारे पास ऐसी स्थिति में मदद करने के लिए क्लाउड स्टोरेज(Cloud Storage) है। क्लाउड में छवि संचय करने वाली कई वेबसाइट में ड्रॉप बॉक्स(Drop Box), माइक्रो सॉफ्ट वन ड्राइव(Microsoft One Drive), आई-क्लाउड (iCloud) और गूगल फ़ोटो शामिल हैं। क्लाउड स्टोरेज देने वाली लगभग सभी वे बसाइट पर उपयोग शुल्क लगता है। हम इस महीने गूगल फ़ोटो का परिक्षण करेंगे।

• 16 पिक्सेल तक की फ़ोटो और 1080p वीडियो के लिए असीमित स्टोरेज। (आप जितना चाहें उतना स्टोर कर सकते हैं।)

• अगर आप मूल गुणवत्ता में फोटो डालना चाहते हैं, तो आप 15 जीबी तक का इस्तेमाल कर सकते हैं।

• यह आई-ओ-एस(iOS) और एंड्राइड (Android) दोनों स्मार्टफोन के साथ काम करता है। वेब ब्राउज़र का इस्तेमाल करके, आप https://www.google.com/photos वेबसाइट पर भी जा सकते हैं।

• गूगल फ़ोटो में यंत्र अधिगम तकनीक है, इसलिए फ़ोटो को आसानी से व्यवस्थित किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, अगर आप "कार" टाइप करते हैं, तो यह आपको केवल कारों की वे तस्वीरें दिखाएगा जो आपने पहले ही खींची हैं। अगर आप किसी जगह का नाम टाइप करते हैं, तो यह आपको उस जगह पर खींची गई सभी तस्वीरें दिखाएगा।

• अगर आप चेहरों के आधार पर नाम पंजीकृत करते हैं, तो आप अब तक डालीं गई सभी तस्वीरों में से किसी खास व्यक्ति को फ़िल्टर करके ढूँढ़ सकते हैं।

• खिंची गई तस्वीरों को आगे बांटना(शेयर करना)आसान है(डाउनलोड किए बिना)। इस तरह, गूगल फ़ोटो हमें कहीं भी और कभी भी आसानी से अपनी यादों को याद रखने में मदद करता है, बिना खोए।

प्रिय नौजवानों! अगर मनुष्य, परमेश्वर के ज्ञान से परिपूर्ण है, तो ऐसी बेहतरीन तकनीक बनाने में सक्षम है जो हमारे सामान को याद रख सकती है और नष्ट होने से बचा सकती है, तो यह कितना निश्चित है कि परमेश्वर, जिसने हमें बनाया है, हमें अपनी यादों में सुरक्षित रखेगा? शास्त्र कहता है, "देखो, मैंने तुम्हें अपनी हथेलियों पर बनाया है; तुम्हारी शहरपनाह सदैव मेरे सामने रहती हैं।" आप सर्वशक्तिमान परमेश्वर की हथेलियों में उकेरे गए हैं और हमेशा उनके द्वारा याद किए जाते हैं। कोई भी आपको उनसे दूर नहीं कर सकता या उनकी यादों से मिटा नहीं सकता!

अच्छा मित्रों, मैं अगले महीने एक और तकनीकी अद्यतन(update) के साथ वापस लौटूंगा। अलविदा!

दिल को मोहित करने वाला प्यार!

बिखरा हुआ विवाह!

Heart Beat

मैं +2की पढ़ाई कर रही हूं। हर कोई कहता है कि प्यार गलत है। कई Arrange Marriage का अंत तलाक में होता है। मुझे लगता है कि "Love Arrange", शादी के बारे में जानने है बेहतर है क्योंकि हम प्यार करते समय एक -दूसरे को समझते हैं। आप इसे गलत कहकर हमें अलग क्यों कर रहे हैं?
- कार्तिका कृष्णगिरी।

प्रिय बहन कार्तिका, आपका तर्क सुनने में काफी अच्छा है। लेकिन आप इसका गहराई से विश्लेषण करें यह सच है कि कई Arrange Marriage के बारे में आपको पता होता है कि वे भी Divorce हो जाता हैं जब कि अधिकतम Love Marriage समस्याओं, संघर्ष और आत्महत्या में समाप्त होता है। क्योंकि हम जानते हैं कि कई लोगों का प्यार 6th की पढ़ाई के दौरान शुरू होता है। वर्तमान आन्द के लिए फंस जाते हैं।

साथ ही 6th, 7th के छात्रों में जीवन साथी चुनने की परिपक्वता या जीवनसाथी ढूंढने का धैर्य नहीं होता हैं, इसलिए वे 60 साल या 70साल तक साथ रहने के लिए रिश्ता चुनने में स्पष्टता और परिपक्वता के कमी के कारण गलत चुनाव कर लेते हैं वर्षों, तीन महीनों या अधिकतम नौ महीनों में रिश्ता टूट जाता है, प्यार खत्म हो जाता है, और इसे क्रोध, चिड़चिड़ापन और रोष से भरी शादी के रूप में देखा जाता है।

+2 वर्ष का छात्र या +1 वर्ष का छात्र विवाह के बारे में क्या जानता है। विवाह केवल एक प्रेम गीत नहीं है। जैसे कि सिनेमा और मीडिया द्वारा दिखाया जाता है, बल्कि उससे परे विवाह दो मनो का मिलन है।

- *एक की दूसरे के प्रति भावनाओं को समझना।*
- *सच्चा प्यार जताना।*
- *दूसरों की राय और भावनाओं का सम्मान करना।*
- *पराई स्त्री -पुरूष का चेहरा न देखकर अनुशासन से रहना।*
- *दिल और शरीर से विश्वासघात न करना।*
- *धैर्य के साथ नई जिम्मेदारियां निभाना।*

- एक दूसरे का बोझ उठाना।
- एक दूसरे का देना
- एक दूसरे की कमियों को सहन करना और जीवन के पहिए को धीरे -धीरे आगे बढ़ाने में एक दूसरे की मदद करना।

विवाह रिश्ते में परिवार की और भी विशेषताएं और रूचियां भरी होती है।

लेकिन आजकल ये असंस्कृति हो गया था।
आजकल यही शादी का हाल है। D-divorce(तलाक) A-Abandonment (त्याग)

- जैसी उम्मीद थी वैसा नहीं हुआ, इसलिए तलाक।
- वह वैसी नहीं थी /था जैसे मैं चाहता था इसलिए तलाक।
- उसने मेरी बात नहीं सुनी इसलिए तलाक।
- मेरे लिए कोई आत्मसम्मान नहीं है इसलिए तलाक।
- अब मैं तुम्हें पसन्द नहीं करता इसलिए तलाक।
- मैं कमाता हूं और सब कुछ मेरी मर्जी से होता है।
- तुमसे ज्यादा वो मुझे पसन्द है, पसन्द आए तो रुको पसन्द न आए तो पर छोड़ देना,

एक सच्ची घटना वर्ष 2023 में घटी ।

एक लड़की ने 11वीं कक्षा में पढ़ते हुए प्यार किया और स्कूल छोड़कर विवाह के लिए भाग गई। अब उसे एक बच्चे के साथ छोड़ दिया गया है और वह मदद के लिए भीख मांग रही है। जिस लड़के से उसने प्यार किया और विवाह किया था, वह किसी और लड़की के साथ चला गया है। अब न तो उसके पास उसका प्रेमी है, न प्यार; उसके परिवार ने उसे त्याग दिया है; और वह एक शिशु के साथ सड़कों पर लाचार रह रही है।

चूंकि किशोर केवल सुंदरता, रूप और छात्रावस्था के दौरान आरामदायक जीवन को महत्व देते हैं, इसलिए वे विवाह के बाद परिवार के जीवन के लिए आवश्यक आंतरिक सौंदर्य, धैर्य, सदाचार, प्रेम, बलिदान, क्षमा और विनम्रता पर ध्यान नहीं देते। इसलिए, ऐसी तलाक की घटनाएं होती हैं।

विवाह की उम्र होने पर ही इसके बारे में उचित समझा और परिपक्वता आती है। इसलिए विवाह के बाद जो आना है उसे समझना, विवाह के बन्धन में बन्धन के लिए आवश्यक नैतिकता, पवित्रता, प्रेम, क्षमा, बलिदान और जिम्मेदारी से कार्य करना, कोई भी विवाह सहज रहेगा।

आप अपनी पढ़ाई में तभी सफल हो सकते हैं जब आप का पूरा ध्यान पढ़ाई पर पूरा ध्यान केंद्रित करेंगे। अन्यथा आपके विचार भटक जाएंगे और आपका जीवन पटरी से उतर जाएगा और आप सड़क पर खड़े होकर दुखी होंगे, यहां तक कि आपका जीवनसाथी भी आपका सम्मान करेगा।आपको एक सफल व्यक्ति होना चाहिए, असफल नहीं।

कई बार जो चीज हमारी आंखों और दिल को अच्छी लगती है वह सबसे अच्छी चीज नहीं होती। शास्त्र कहते हैं कि इन्सान के पास ऐसे रास्ते होते हैं जो अच्छे लगते है और उनका अंत मौत के रास्ते होते हैं।इसलिए जब आपकी सारी सोच और कार्य कौशल अध्ययन में होगे तो चीज में सफल होने का मौका होता है। इसलिए सोचे और कार्य करें।

प्यास

मनुष्य के जीवित रहने के लिए जल, भोजन जितना ही महत्वपूर्ण है। एक व्यक्ति के शरीर में जल का औसत प्रतिशत लगभग 60% होता है। जब शरीर में इस मात्रा में कमी आती है, तो प्यास लगती है। जिस तरह जल शरीर की प्यास बुझाता है, उसी तरह केवल यीशु ही, जो जीवन का जल है, आत्मा की प्यास बुझा सकता है। इसलिए उसने कहा, "यदि कोई प्यासा हो, तो मेरे पास आए और पिए" (यूहन्ना 7:37)। जो कोई यीशु केलिए, जो 'जीवन का जल' है, तरसता है उसमें जीवन की नदी बहेगी। समृद्धि हर जगह उसका पीछा करेगी।

एलीशा को अपने स्वामी एलिय्याह के भीतर मौजूद अभिषेक को प्राप्त करने की असंतुष्ट प्यास थी। जब एलिय्याह के सेवकाई के दिन पुरे हो गए और उसे स्वर्ग में उठा लिया जाना था, तो एलीशा ने एलिय्याह के पीछे-पीछे चलने का फैसला किया, इस आशा से की किसी तरह अपने स्वामी का अभिषेक प्राप्त कर सके। यह जानते हुए, एलिय्याह ने उसे परखने के लिए एलीशा को उसके पीछे चलने से रोकने की कोशिश की।

लेकिन एलीशा लगातार एलिय्याह के पीछे-पीछे चलता रहा। अंततः, वे दोनों यरदन के तट पर खड़े हो गए। "जब वे पार हो गए, तो एलिय्याह ने एलीशा से कहा, " इससे पहले कि मैं तुमसे दूर ले जाया जाऊँ, मुझे बता की मैं तेरे लिए क्या कर सकता हूँ?" एलीशा ने कहा , " तुझमें जो आत्मा है उसका दूना भाग मुझे मिल जाए" । "तू ने कठिन बात माँगी है", एलिय्याह ने कहा, " तौभी यदि तू मुझे उठा लिये जाने के वक़्त देखने पाए तो तेरे लिये ऐसा ही होगा; नहीं तो न होगा।" (2 राजा 2:9, 10)।

जबकि एलिय्याह और भविष्यवक्ताओं के पुत्रों ने एलीशा को मना किया, तौभी भी अभिषेक के लिए प्यास और इच्छा उसमें कम नहीं हुई, इसलिए जब एलिय्याह को बवंडर में उठा लिया गया, तो वह उसके पीछे गया, उसे देखा, और उसमें जो आत्मा थी उसका दुगना भाग प्राप्त किया। एलीशा ने अभिषेक प्राप्त किया और अपने मार्ग में बाधाओं के बावजूद परमेश्वर के लिए उत्साहपूर्वक उठ खड़ा हुआ क्योंकि उसके पास सुसमाचार के लिए एक अदम्य भूख थी।

यदि आप भी परमेश्वर के अभिषेक और आशीषों के लिए धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा कर रहे हैं, तो हार न मानें। प्यास के साथ प्रभु से माँगें, ठीक वैसे ही जैसे एलीशा ने किया था, और

आपको मिलेगा। क्योंकि जिसने कहा, 'मैं प्यासे पर जल उंडेलूंगा", ' वह तुम पर अपनी आत्मा उंडेलेगा, तुम्हारा अभिषेक करेगा, और जैसे उसने प्रतिज्ञा किया था वैसे ही तुम्हें इस्तेमाल करेगा।

जर्मनी में जन्मे और पले-बढ़े रेनहार्ड बोनके की अफ्रीका में सेवा करने की अतृप्त इच्छा थी। उन्होंने 1967 में अफ्रीका में अपना सेवा कार्य शुरू किया और पहले पहल उन्हें बहुत संघर्षों और विरोधों का सामना करना पड़ा। जब वे निराश हुए, तो परमेश्वर ने बोनके को "लहू से धुले अफ्रीका" का दर्शन दिखाकर और "अफ्रीका बचाया जाएगा" वाक्य की गूंज उनके कानों में सुनाकर, उन्हें सांत्वना दी। इसके बाद, बोनके की आध्यात्मिक प्यास, जो परिस्थितियों से बुझ गई थी, फिर से जल उठी और उन्होंने अफ्रीका में अपने काम को और तेज करना शुरू कर दिया। शुरुआत में, उनकी सभाओं में केवल कुछ सौ लोग ही आते थे, लेकिन जैसे-जैसे दिन बीतते गए, लाखों-लाखों लोग भाग लेने लगे और उनकी निरंतर प्रार्थनाओं और आध्यात्मिक प्यास के कारण यीशु को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता ग्रहण करने लगे। उनके द्वारा, अफ्रीका महाद्वीप पर एक बड़ा आंदोलन हुआ। उनके माध्यम से लगभग 8.3 करोड़ लोगों को प्रभु ने बचाया।

जिस तरह परमेश्वर ने अपना आत्मा उंडेला और रेनहार्ड बोन्के का अभिषेक किया, जिन्हें अफ्रीकी महाद्वीप पर सेवा करने की प्यास थी, परमेश्वर आपको भी इस्तेमाल करेंगे। इसके लिए आपको केवल एक ही काम करना है। ईमानदारी से मांगें, 'मुझे आत्माओं की प्यास दो' और फिर आपको आत्मा जीतने वाले वरदान प्राप्त होंगे।

यीशु मसीह के अन्दर प्यास थी कि नाश होने वाली आत्माएं अनन्त जीवन प्राप्त करने पायें। जब हम यीशु और सामरी स्त्री के मध्य बातचीत पर ध्यान देते हैं, तो हम उनके भीतर की आध्यात्मिक प्यास को समझ सकते हैं। यीशु ने सामरी स्त्री के दिल की प्यास को समझा और उससे कहा, "जो कोई उस जल में से पीएगा जो मैं उसे दूँगा, वह फिर कभी प्यासा न होगा। परन्तु जो जल मैं उसे दूँगा, वह उसके भीतर एक सोता बन जाएगा जो अनन्त जीवन के लिए उमड़ता रहेगा" (यूहन्ना 4:14)। यीशु ने सामरी स्त्री की आध्यात्मिक प्यास बुझाई, और उसके माध्यम से, वह सामरिया शहर में कई आत्माओं से मिले और उनकी प्यास भी बुझाई।

मेरे प्रिय नव जवानों, प्रभु यीशु मसीह आपके भीतर जीवन के जल के रूप में हैं जो दुनिया की हर आत्मा की प्यास बुझाते हैं। "जो मुझ पर विश्वास करता है, जैसा कि पवित्रशास्त्र में कहा गया है, उसके हृदय से जीवन के जल की नदियाँ बह निकलेंगी" (यूहन्ना 7:38)। अपने समाज के प्यासे लोगों के पास जाएँ और उनकी प्यास बुझाने वाले पात्र के रूप में कार्य करना शुरू करें, ठीक वैसे ही जैसे सामरी स्त्री ने किया था। यीशु आपके माध्यम से भरपूर फसल ले आएगा।

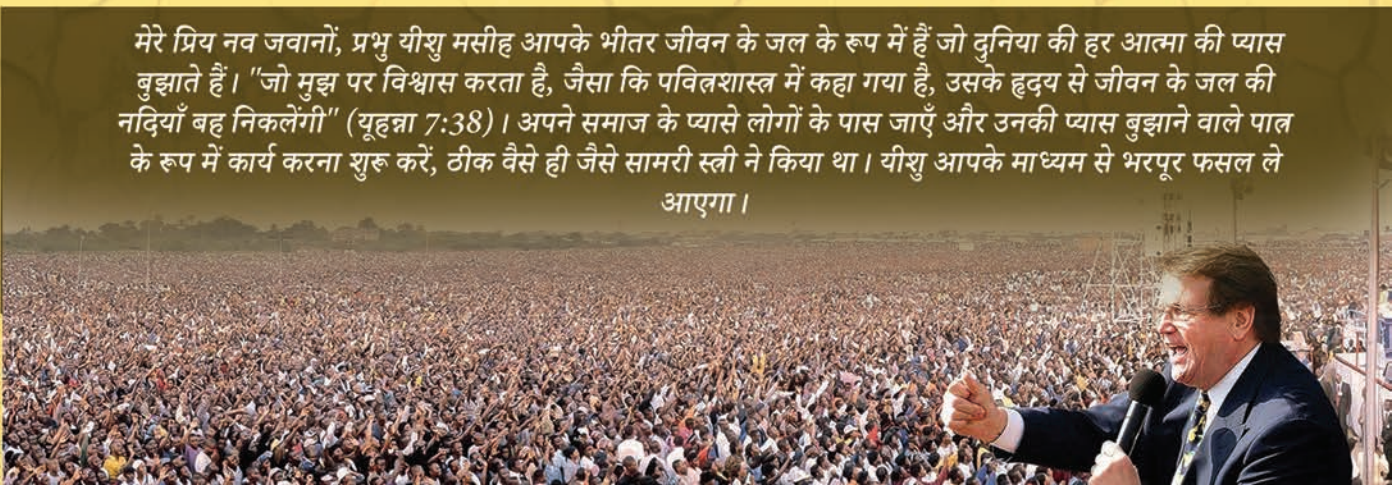

प्रभु की स्तुति करो, और तुम्हे ऊँचा उठाया जायेगा!

"तब राजा ने आज्ञा दी, और दानिय्येल को लाकर सिंहों की माँद में डाल दिया गया। उस समय राजा ने दानिय्येल से कहा, "तेरा परमेश्वर, जिसकी तू नित्य उपासना करता है, वही तुझे बचाए!" (दानिय्येल 6:16)

दानिय्येल को एक विदेशी देश से बाबुल में एक कैदी के रूप में लाया गया था। एक गुलाम के रूप में लाए जाने के बावजूद, परमेश्वर ने उसे उठाया और पूरे राज्य पर अधिकार दिया। देश के कई अधिकारी दानिय्येल को दी गई आधिकारिक शक्तियों से ईर्ष्या करते थे। उन्होंने कहा, "वह एक विदेशी देश से है, लेकिन वह हमारे देश में एक उच्च पद पर है, इसलिए हमें उसे नष्ट करना होगा।" उन्होंने दानिय्येल की कमियों को उजागर करने और उसे फँसाने के तरीके खोजे।

लेकिन वे उसमें कोई दोष नहीं ढूँढ़ पाए। वे दानिय्येल को फँसा नहीं पाए क्योंकि वह एक ईमानदार व्यक्ति था जिसमें भ्रष्टाचार या लापरवाही का अभाव था। इस स्थिति में, अधिकारियों ने राजा को धोखा देकर एक आदेश पर हस्ताक्षर करवा लिए ताकि वे दानिय्येल को फँसा सकें। आदेश में यह लागू किया गया था कि जो कोई भी अगले तीस दिनों तक राजा को छोड़कर किसी भी देवता या मनुष्य से प्रार्थना करेगा, उसे सिहों की माँद में फेंक दिया जाना चाहिए। यह जानते हुए भी कि आदेश पर हस्ताक्षर हो चुके हैं, दानिय्येल घर गया और अपने ऊपरी कमरे में, खिड़की खोली, उस दिन तीन बार अपने घुटनों पर झुका, और अपने परमेश्वर के सामने प्रार्थना की और धन्यवाद दिया, जैसा कि शुरुआती दिनों से उसकी रीति थी।

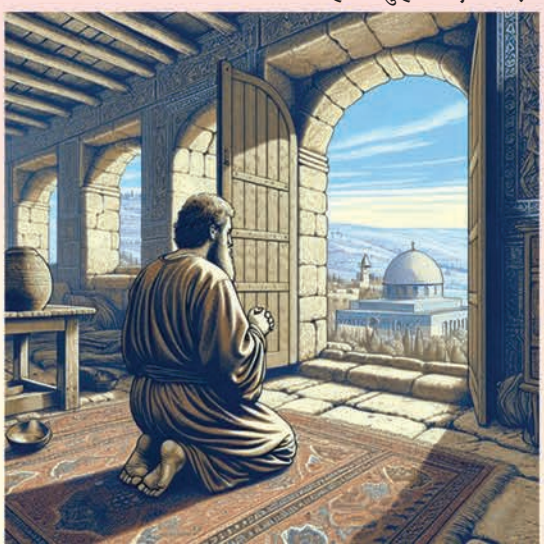

डाह से भरे अधिकारी एक समूह के रूप में गए और पाया कि दानिय्येल दिन में तीन बार प्रार्थना कर रहा था और अपने परमेश्वर को धन्यवाद दे रहा था। वे उतावली से सीधे राजा दारा के पास पहुँचे और शिकायत की, "दानिय्येल लिखित आदेश पर ध्यान नहीं दे रहा है; वह दिन में तीन बार अपने परमेश्वर से प्रार्थना कर रहा है।" लेकिन दारा दानिय्येल को बहुत पसंद करता था और उसे मारना नहीं चाहता था। उसने शाम तक दानिय्येल को मांद में फेंके जाने से रोकने की पूरी कोशिश की। लेकिन कानून के अनुसार, राजा भी अपने आदेश को रद्द नहीं कर सकता। दारा ने दानिय्येल को सिहों की मांद में डालने का आदेश जारी किया क्योंकि उसके पास दूसरा चुनाव नहीं था। उस रात, दारा सो नहीं पाया और सिहों की मांद में दानिय्येल के विषय में सोचकर दुखी हो गया। भोर की पहली किरण के साथ, राजा सिहों की मांद की ओर भागा और शोकित स्वर में दानिय्येल को पुकारा, "दानिय्येल, जीवित परमेश्वर के दास, क्या तुम्हारा परमेश्वर, जिसकी तुम नित्य उपासना करते हो, तुम्हें सिहों से बचा सका?" दानिय्येल ने मांद के अंदर से राजा दारा को उत्तर दिया, "हे राजा, मेरे परमेश्वर ने अपना दूत भेजकर सिहों के मुंह को ऐसा बंद कर रखा की उन्होंने मेरी कुछ हानि नहीं की।" राजा दारा बहुत खुश हुआ और उसने दानिय्येल को मांद से बाहर निकालने का आदेश दिया। जब दानिय्येल को मांद से बाहर निकाला गया तो उस पर एक भी घाव का निशान नहीं था।

यह कहानी बाइबिल में दानिय्येल की पुस्तक के छठे अध्याय में बताई गई है। यह ऐतिहासिक प्रकरण दानिय्येल की परमेश्वर के प्रति अटूट भक्ति को दर्शाता है, क्योंकि वह निरंतर उनका

धन्यवाद और सम्मान कर रहा था (दानिय्येल 6:10, 20)।

"मैं हर समय यहोवा को धन्य कहा करूँगा; उसकी स्तुति निरन्तर मेरे मुख से होती रहेगी।" (भजन 34:1) । उपरोक्त पद में दो तत्व हैं। सबसे पहले, हमें प्रभु को धन्यवाद देना चाहिए; दूसरा, हमें हमेशा उनकी स्तुति करनी चाहिए, जिसके लिए हमें नित्य आधार पर उनका धन्यवाद करना चाहिए। हम दानिय्येल की प्रार्थना में इन दोनों विशेषताओं को देख सकते हैं।

हर समय प्रभु को धन्य कहना परमेश्वर को धन्यवाद देना है, ठीक वैसे ही जैसे हम उन लोगों को धन्यवाद देते हैं जो हमारी मदद करते हैं। यह परमेश्वर का अनुग्रह है कि हम अभी भी जीवित हैं। यह उनका अनुग्रह है कि प्रभु हर दिन हमारी अगुवाई करते हैं और हमारी प्रार्थनाओं का उत्तर देते हैं। इन सभी आशीषों के लिए, हमें परमेश्वर को धन्यवाद देना चाहिए।

दूसरा, उसकी स्तुति निरंतर मेरे मुख से होती रहेगी। 'परमेश्वर की स्तुति करना', प्रभु की महिमा करना है। हम उनके नाम, उनकी अद्भुत सामर्थ और अद्भुत कार्यों की स्तुति करके परमेश्वर की महिमा कर सकते हैं। हम यह कहकर परमेश्वर की स्तुति कर सकते हैं, 'हे प्रभु, आप अच्छे हैं, आप सामर्थी हैं, आप पवित्र हैं, आप एक अद्भुत काम करने वाले परमेश्वर हैं, आप एक चमत्कार करने वाले परमेश्वर हैं, आप एल-रोही, एल-शद्दाई और यहोवा यिरे हैं'। इस तरह, हम उनके नाम को महिमा देके और ऊँचा उठा के उनकी स्तुति कर सकते हैं। ये दोनों विशेषताएँ आवश्यक हैं और हमारी प्रार्थनाओं का हिस्सा होनी चाहिए। परमेश्वर आज आपको पुकारते हुए कहता है, "मेरे बच्चों, मेरे प्रियजनों, यदि आप भी दानिय्येल की तरह मेरी स्तुति और आराधना करेंगे, तो आप छुटकारा पाएँगे और विजयी होंगे।" हमेशा प्रभु की आराधना करें। उनकी स्तुति करें और उन्हें धन्यवाद दें। तब आप आज अपने जीवन में चमत्कारों का अनुभव करेंगे," प्रभु ने प्रतिज्ञा की है।

वास्तव में ऐसा हुआ, "जब तुरहियाँ बजानेवाले और गानेवाले एक स्वर से यहोवा की स्तुति और धन्यवाद करने लगे, और तुरहियाँ, झाँझ आदि वाद्यों को बजाते हुए यहोवा की यह स्तुति ऊँचे शब्द से करने लगे,

"वह भला है और उसकी करुणा सदा की है,"

तब यहोवा के भवन में बादल छा गया, और बादल के कारण याजक लोग सेवा–टहल करने को खड़े न रह सके, क्योंकि यहोवा

का तेज परमेश्वर के भवन में भर गया था। (2 इतिहास 5:13, 14)।

यह एक ऐतिहासिक क्षण था जब यरूशलेम में प्रभु का भवन बनाया गया था और चर्च को समर्पित किया जा रहा था। पुजारी एक साथ इकट्ठे हुए और तुरही, झांझ और संगीत के वाद्यों के साथ अपनी आवाज़ उठाई। उन्होंने एक साथ गाया, स्तुति की और प्रभु का धन्यवाद किया। लोग भी इकट्ठे हुए और प्रभु की आराधना की, और गाते हुए कहा, 'प्रभु भला है, और उसकी करुणा सदा की है'। जब उन्होंने एक साथ गाया और आराधना की, तो प्रभु का भवन बादल से भर गया। यह क्या दर्शाता है?

जब हम प्रभु के लिए गाते और उसकी स्तुति करते हैं, तो पवित्र आत्मा उतर आता है हमें भरने के लिए, क्योंकि हमारी देह परमेश्वर का मन्दिर है। जब हम प्रभु की स्तुति गाते और उसकी स्तुति करते हैं, तो पवित्र आत्मा हमें भर देती है। यह जरूरी है कि हम प्रभु की महिमा और सामर्थ से भरे रहें। जब हम हर दिन प्रभु की स्तुति गाते और उसकी आराधना करते हैं, तो हम हमेशा प्रभु की महिमा से भरे रहेंगे। जैसे-जैसे हम पवित्र आत्मा की उपस्थिति से भरे जाते हैं, हम उनकी पवित्रता से भर जाते हैं।

पहले के दिनों में, जब लोग गाते थे, 'परमेश्वर भला है और उसकी करुणा सदा की है', तो प्रभु की महिमा ने कलीसिया को भर दिया। आज, हम प्रभु की कलीसिया हैं, और हमें पवित्र आत्मा से भरे जाने के लिए गीतों के साथ प्रभु की स्तुति और आराधना करनी है। तब प्रभु की महिमा हममें से हर एक को भर देगी, और हम दूसरों के लिए आशीष के पात्र बन सकते हैं। जो लोग हमें देखते हैं, वे हमारे भीतर परमेश्वर की महिमा को महसूस कर सकते हैं।

प्रिय नौजवानों! प्रभु ऐसे युवाओं की तलाश में हैं जो हमेशा प्रभु की स्तुति और आराधना कर सकें। सिंहों की मांद में भी उनकी स्तुति करो! प्रभु, जिनकी हम उपासना करते हैं, हमें हर परिस्थिति से बचाने के लिए पर्याप्त शक्तिशाली हैं!

बहादुर तीमुथियुस

भाग 6

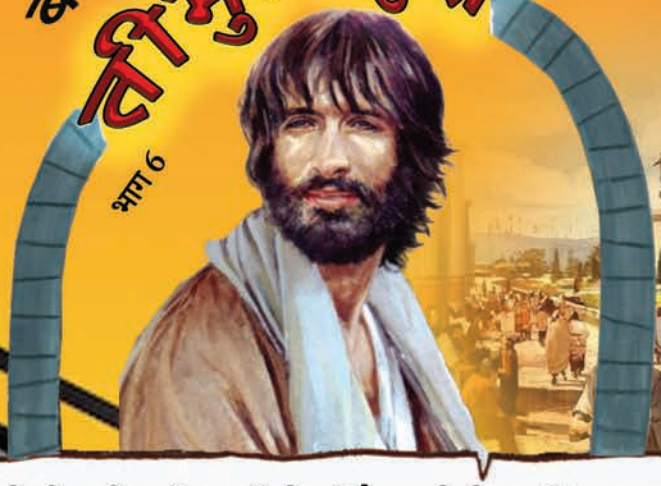

हेलो दोस्तों, मुझे अत्यंत ख़ुशी हो रही है आपसे दोबारा मिल कर इस श्रंखला में जिसका नाम है, 'बहादुर तीमुथियुस' ! मुझे आशा है कि आपको यह श्रंखला काफी फायदेमंद लगेगी। पिछले महीने, हमने टिमोथी की पहली जिम्मेदारी और कैसे उसने इसे ईमानदारी से पूरा किया, इस पर चर्चा की। इस महीने हम क्या देखने जा रहे हैं? कोई अनुमान? ठीक है, आइए, शुरू करते हैं।

जब पौलुस अपनी तीसरी मिशनरी यात्रा के दौरान इफिसुस शहर में रह रहा था, तो उसने कुरिन्थियों की कलीसिया में समस्याओं के बारे में सुना। रोम और अलेक्जेंड्रिया के बाद रोमन कुरिन्थियों साम्राज्य का तीसरा सबसे बड़ा शहर था। चूँकि वहाँ कामदेव का मंदिर था, इसलिए उस शहर में देव-दासियों (मंदिर की वेश्याओं) की संख्या बहुत अधिक थी। न केवल कुरिन्थियों शहर में बल्कि कुरिन्थियों की कलीसिया में भी अनैतिकता थी। कलीसिया झगड़ों से विभाजित था। वे धर्मनिरपेक्ष न्यायालयों में एक-दूसरे पर मुकदमा भी कर रहे थे। पौलुस के उपदेश का भी विरोध हो रहा था। विश्वासियों में आध्यात्मिक विकास की कमी होने लगी। मूर्तियों को बलि चढ़ाए गए भोजन को खाना, सांसारिक चीजों की लालसा करना, व्यभिचार और वेश्यावृत्ति जैसे पाप वहाँ प्रचलित थे।

इन मुद्दों को संबोधित करने के लिए, पौलुस ने तीमुथियुस को वहाँ भेजा। 'इसलिये मैं ने तीमुथियुस को जो प्रभु में मेरा प्रिय और विश्वासयोग्य पुत्र है, तुम्हारे पास भेजा है। वह तुम्हें मसीह में मेरा चरित्र स्मरण कराएगा, जैसे कि मैं

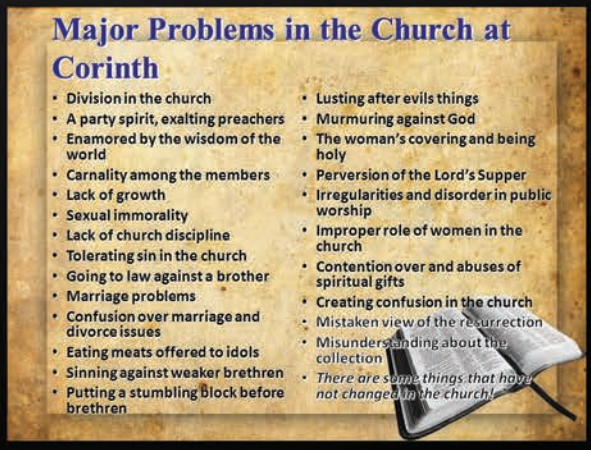

हर जगह हर एक कलीसिया में उपदेश करता हूँ।' (1 कुरिन्थियों 4:17)। कुरिन्थियों की कलीसिया के कुछ सदस्यों ने पौलुस की शिक्षा का विरोध भी किया। तीमुथियुस, जो छोटी उम्र से ही भक्ति में बड़ा हुआ था, कुरिन्थियों की कलीसिया की गिरी हुई स्थिति से हैरान हो गया होगा। यह युवा तीमुथियुस के लिए एक चुनौतीपूर्ण कार्य रहा होगा! क्योंकि उसे अपने से बड़े लोगों और उस कलीसिया के बुजुर्गों से मिलना था और पौलुस द्वारा कही गई बातों को बताना था। जबकि एक समूह ने तीमुथियुस की बातों को स्वीकार किया होगा, दूसरी ओर, एक समूह ने उसका मजाक उड़ाया और उसकी आलोचना की होगी, यह कहते हुए कि, "वह सिर्फ एक छोटा लड़का है; हम उसकी बात क्यों सुनें?" चूँकि तीमुथियुस स्वभाव से ही डरपोक था, इसलिए पौलुस ने (1 कुरिन्थियों 16:10) में कुरिन्थियों की कलीसिया को लिखा, "जब तीमुथियुस आए, तो ध्यान रखना कि जब तक वह तुम्हारे साथ रहे, तब तक उसे किसी बात का डर न रहे, क्योंकि वह भी मेरी तरह प्रभु का काम करता है।" पौलुस के

निर्देशानुसार, तीमुथियुस कुरिन्थियों की कलीसिया में गया और उसे दिया गया काम पूरा किया। हालाँकि, वहाँ स्व-धर्मी लोग थे जो एक-दूसरे से झगड़ रहे थे और अपने गलत कामों को सही ठहरा रहे थे, इसलिए उनकी हालत देखकर तीमुथियुस निराश हो गया। वह महत्वपूर्ण बदलाव लाने में असमर्थ था जिसकी उसने कल्पना की थी। इसलिए, निराश और असफलता की भावना के साथ, वह पौलुस के पास लौट आया। फिर भी, पौलुस ने तीमुथियुस को नहीं छोड़ा, जो पराजित होकर लौटा था, बल्कि उसे प्रोत्साहित किया और उसे एरास्तुस के साथ मकिदुनिया भेज दिया। पहली बार, तीमुथियुस, जो कलीसिया के पर्यवेक्षण कार्यों में लगा हुआ था, उसे विदेशी स्थानों पर सुसमाचार प्रचार करने का अवसर मिला। तब तक, तीमुथियुस केवल अपने समूह के साथ सुसमाचार प्रचार करने गया था। लेकिन यह उनके लिए एक अलग अनुभव रहा होगा। कुछ दिनों के बाद, पौलुस भी मकिदुनिया में उनके साथ शामिल हो गया और अपने साथी कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहित किया।

कुरिन्थियों की कलीसिया में समस्याओं के कारण निराश और असफलता की भावना के साथ आए तीमुथियुस को प्रोत्साहित करने के लिए, पौलुस ने कुरिंथियों को लिखे अपने दूसरे पत्र में अपने नाम के साथ तीमुथियुस का नाम भी शामिल किया। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि सभी प्रेरितों ने अपने निराश साथी कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहित किया, जिससे वे साथी कार्यकर्ता कलीसिया को बढ़ाने के लिए सशक्त हुए।

तीमुथियुस को एक और जिम्मेदारी दी गई क्योंकि उसने उसे दी गई पहली जिम्मेदारी को ईमानदारी से पूरा किया। हालाँकि, यह चुनौतीपूर्ण था। इसी तरह, जब हम प्रभु द्वारा दिए गए कार्यों के प्रति वफादार होते हैं, तो प्रभु हमें एक के बाद एक और ज़िम्मेदारियाँ सौंपेंगे। और यह पिछले वाले से एक कदम ऊपर होगा। इसलिए, भले ही यह चुनौतीपूर्ण हो, लेकिन इसका मतलब हमें निराश करना नहीं है। वे चुनौतियाँ और परीक्षण हमें मज़बूत करने के लिए हैं। यदि आप ऐसी चुनौती का सामना कर रहे हैं, तो आनंद मनाइए कि परमेश्वर आपको अगले स्तर के लिए प्रशिक्षित कर रहा है। यह एक संकेत है कि आप अपने आध्यात्मिक जीवन में बढ़ रहे हैं।

अगले प्रकरण में फिर मिलेंगे।
(मिशन यात्रा जारी है...)

भावना

चिन्ता

हम किशोर आज एक बहुत ही प्रतिस्पर्धी दुनिया में रहते हैं। जहां हम हर दिन कई चुनौतियों का सामना करते हैं और अपने डर के अनुसार हम अपनी भावनाओं को अलग-अलग तरीकों से व्यक्त करते हैं। विशेष रूप से यदि आप कई नकरात्मक भावनाओं जैसे भय, अकेलापन, क्रोध, घृणा, तनाव आदि का अनुभव कर रहे हैं तो यह अनुभव आपके लिए है।

वे दिन गए जब वयस्क सबसे अधिक चिंता करते थे, आज बच्चे और किशोर सबसे अधिक चिंता करते हैं

आपने शारीरिक सुंदरता को लेकर चिंता रहते हैं।

बाल झड़ने से होनेवाली चिंता

विवाह योग्य उम्र को लेकर चिंता

उनकी चिंता यह है कि अपनी पढ़ाई के योग्यता के आधार नौकरी मिल सकती है।

पारिवारिक पृष्टभूमि और वित्त के बारे में चिन्तांए

क्या आप उन किशोरों में से हैं जो बहुत सी चीजों को लेकर चिंता करते हैं? प्रिय युवाओं, आकाश में उड़ते पक्षियों को देखों हमारी तरह उन्हें भी भोजन और आश्रय की दैनिक आवश्यकताएं बहुत होती है।

लेकिन क्या आपने किसी पक्षी को वहां बैठे यह सोचते हुए देखा है कि मेरा जन्म क्यों हुआ?

जब बिना किसी चिंता के खुश हैंपरमेश्वर की छवि में बनाई गई आपकी हालत क्या है?

अधिक चिंता करने का प्रभाव

- यह मन की शान्ति को भंग करता है और चिन्ता का कारण बनता है।
- भूख न लगना और अनिद्रा कारण बनता है।
- स्वास्थ्य में सिरदर्द, पेट दर्द, सीने में दर्द जैसी परेशानियों होंगी।
- काम और पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाते।
- बिना किसी कारण चिड़चिड़ापन और एक तनाव हार्मोन ज्यादा हो जाता है।
- अधिक खाना, शराब या नशीली दवाओं के सेवन जैसी अस्वास्थ्यकर व्यवहार हो सकते हैं।

कई लोगों के चिंता के जाल में फसने का मुख्य कारण हैं।

1.जब वह सोचा था वो हुआ ही नहीं।

2.जब उसने सोचा था अमुक समय को हुआ ही नहीं।

आप यीशु के जीवनकाल के दौरान मार्था और मरियम नाम की दो बहनों से परिचित हो सकते हैं।इस घटना में वह पूरी तरह है यीशु की देखभाल करने में लगी हुई थी जो उसके घर पर मेहमान के रूप में आये थे।

परन्तु मरियम यीशु के चरणों में बैठ गई और उनकी बातें सुन रही थी। क्योंकि मरियम उसकी सहायता के लिए नहीं आयी थी पर मार्था यीशु के सामने अपनी चिंता व्यक्त की कि मेरी सहायता केलिए नहीं आ रही है।इस विषय में आप मार्था के बारे में क्या सोचते हैं?

मार्था की चिंता आपको न्याय लगती है, अगर आप इस घटना को करीब से देखेंगे तो मार्था यीशु के लिए काम कर रही है, लेकिन मरियम स्पष्ट समझती है कि यह मेरे और यीशु के लिए समय है और वह रिश्ते का महत्व देती है।यही कारण है कि यीशु भी इसका उल्लेख करते हैं।मरियम को यह अच्छी भूमिका पता थी कि उसने उसे नहीं छोड़ा।

चिंता को सामने करने का सरल उपाय है।

1.किसी भी चीज के बारे में ज्यादा न सोचें और खास तौर पर कुड़कुड़ाना नहीं।

2.पहले प्रभु को उन बातों के बारे में बताएं जो आपको चिन्तित करती है और उसके लिए धन्यवाद बलि चढ़ाइए। (परमेश्वर की शान्ति आपके हृदय को भर देंगी।) ।

3.धन्वाद करने के बाद इस विषय पर परमेश्वर से अनुरोध करें और पूरा विश्वास रखें कि उनके पर्वत में हर चीज़ का ध्यान रखा जाएगा। (दिल का बोझ उतर जाएगा।)

किसी भी बात की चिन्ता मत करो: परन्तु हर एक बात में तुम्हारे निवेदन, प्रार्थना और बिनती के द्वारा धन्यवाद के साथ परमेश्वर के सम्मुख अपस्थित किए जाएं। (फिलिप्पियों 4:6)

इसे पढ़ने वाले प्रिय युवाओं, यह सच है कि जिस अस्थायी दुनिया में हम रहते हैं वहां जिन संघर्षों और समस्याओं का हम रोजाना सामना करते हैं वे हमें कई समय चिंता में डाल दें देते हैं। प्रभु के साथ रिश्ता बहुत महत्वपूर्ण है ताकि हम चिंताओं में डूबकर मर न जाए। राजा डेविड कहते हैं कि यदि आपके धर्मग्रंथ मुझे खुशी नहीं देते हैं तो मैं अपने दुखों में डूब जाऊंगा।

यदि मैं प्रभु का वचन उपभोग करें तो यह हमारी सांसारिक चिन्ताओं को पहाड की तरह पिघला देगा और शान्ति देगा।यदि राजा डेविड की तरह , आप प्रभु के वचन को पढ़ने और धन्यवाद के साथ उसे सभी बातें बताने की आदत बना लें तो कोई दुख, या चिंता आपके पास नहीं आ सकतीं।

प्रार्थना गाइड

शिक्षा विभाग

भारत में 14.8 लाख स्कूल, 43796 कॉलेज, 1133 विश्वविद्यालय, 95.07 लाख शिक्षक, 15.15 लाख प्रोफेसर और 33 करोड़ छात्र हैं। यह देखा गया है कि भारत में लगभग 25 करोड़ लोगों के पास मानक शैक्षणिक योग्यता नहीं है। हर साल 65 लाख स्नातक उत्तीर्ण होते हैं। श्री धर्मेंद्र प्रधान वर्तमान में शिक्षा मंत्री के रूप में कार्यरत हैं।

प्रार्थना बिंदु

1. परमेश्वर से प्रार्थना करें स्कूल और कॉलेज में पढ़ने वाले छात्रों की रक्षा करने और उन्हें अच्छी बुद्धि प्रदान करने के लिए।

2. प्रार्थना करें हमारे देश में छात्रों के बीच शिक्षा के विषय में जागरूकता आने के लिए।

3. प्रार्थना करें शिक्षकों और प्रोफेसरों के लिए की वे सद्बुद्धि प्राप्त करें और उन्हें अच्छे शिक्षण कौशल प्रदान किये जाएँ।

4. प्रार्थना करें की परमेश्वर का अधिकार उन पर हो, वह उन्हें सुरक्षित रखें और दुर्घटनाओं को रोकने के लिए अपनी उपस्थिति से उन्हें घेरे रहें।

बाल-अपराध

एनसीआरबी(NCRB) की रिपोर्ट के अनुसार, हर साल बाल-अपराध बढ़ रहे हैं। 76% अपराधी 16 से 18 वर्ष की आयु के हैं। यौन रूप से जुड़े POCSO मामलों में 1885 से अधिक किशोरों को गिरफ्तार किया गया है।

प्रार्थना बिंदु

1. भारत में बढ़ते बाल-अपराधों को समाप्त करने के लिए प्रार्थना करें।

2. प्रार्थना करें कि गिरफ्तार किए गए युवाओं को उचित परामर्श दिया जाए और उन्हें रिहा किया जाए।

3. नाबालिगों को अपराध करने के लिए मजबूर करने वाले गुंडों के पश्चाताप और उनके पीछे काम करने वाली बुरी आत्मा के कार्यों के विनाश के लिए प्रार्थना करें।

4. भारत में सभी किशोरों के उद्धार के लिए प्रार्थना करें।

जुलाई 2024

शराबीपन

भारत में, लगभग 16 करोड़ शराब के आदी हैं। इनमें से 7.5 प्रतिशत महिलाएँ हैं। भारत में आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्यों में सबसे अधिक शराब के आदी लोग हैं। आंकड़े बताते हैं कि अरुणाचल प्रदेश में महिलाएँ शराब का सेवन ज्यादा करती हैं। 15 वर्ष से अधिक आयु की 24% लड़कियाँ शराब पीती हैं। हमारे देश में, 1.50 करोड़ महिलाएँ शराब की आदी हैं।

प्रार्थना बिंदु

1. शराब की लत से पीड़ित 16 करोड़ से ज़्यादा लोगों की मुक्ति के लिए प्रार्थना करें।

2. शराब की लत से पीड़ित स्कूल और कॉलेज के छात्रों के लिए प्रार्थना करें।

3. प्रार्थना करें कि परमेश्वर उन्हें बचपन में शराब की लत लगने से और अपनी शिक्षा खोने से बचाएँ, जिसका असर उनके भविष्य पर पड़ेगा।

4. प्रार्थना करें कि परमेश्वर शराब पीने वाली महिलाओं के जीवन में काम करें ताकि वे परमेश्वर के लिए गवाह बन जाएँ।

सरकारी नौकरियों के लिए कतार में लगे लोग

सरकारी नौकरी की प्रतीक्षा कर रहे 53,74,116 पंजीकृत उम्मीदवार हैं। 10,69,609 स्कूली छात्र 18 वर्ष से कम आयु के हैं। 23,63,129 कॉलेज के छात्र 19 से 30 वर्ष की आयु के हैं। तमिलनाडु सरकार ने जानकारी जारी की है कि 31 से 45 वर्ष की आयु के बीच 16,945 लोग हैं।

प्रार्थना बिंदु

1. प्रार्थना करें कि परमेश्वर उन लोगों को अच्छी नौकरियाँ प्रदान करें जो नौकरी के अवसरों की तलाश कर रहे हैं।

2. प्रार्थना करें कि परमेश्वर बेरोजगार युवाओं को गलत निर्णय लेने से बचाए।

3. उनकी शिक्षा के अनुरूप सही नौकरी के अवसरों के लिए प्रार्थना करें।

4. बेरोजगार स्नातकों के परिवारों के लिए प्रार्थना करें और परमेश्वर से मांगे की उन्हें गरीबी से बाहर निकाले और उन्हें आशीषें प्रदान करे।

नरक का टिकट!

भाग 6

हेलो दोस्तों, शैतान हमें नरक में भेजने के लिए जिस युक्ति का इस्तेमाल करता है, वह है 'पाप'! हमने पिछले महीने 'नशा' नामक पाप के बारे में सीखा था। अब, आइए एक और पाप पर ध्यान दें जिसका इस्तेमाल शैतान हमारे खिलाफ करता है,

निन्दा

बाइबिल के अनुसार, निन्दा का अर्थ है "किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा को खराब करने के बुरे विचार से उसके बारे में झूठी खबर फैलाना। इसे झूठे आरोप, तिरस्कार, चुगली और मानहानि भी कहा जा सकता है। हम इस पाप को हर जगह प्रचलित देख सकते हैं। कुछ व्यक्ति निन्दा जैसी दुर्भावनापूर्ण प्रथाओं का सहारा लेते हैं अपने सहकर्मियों और अपने वरिष्ठों की प्रतिष्ठा धूमिल करने के लिए। अन्य लोग अपने करियर की उन्नति में बाधा डालने के लिए अपने साथियों के बारे में झूठे आरोप गढ़ते हैं। परिवारों में भी, बहुएँ अपने पतियों से अपनी सास की चुगली करती हैं, और सास अपने बेटों से अपनी बहू के बारे में बकवाद करती हैं। कुछ व्यवसायी और उद्योगपति दूसरों के व्यवसाय या उद्योग को बर्बाद करने के लिए गलत सूचना फैलाते हैं, जिससे उनकी प्रतिष्ठा खराब होती है। निन्दा का यह पाप राजनीति में फैला हुआ है। एक पार्टी दूसरी पार्टी को

बदनाम करती और नीचा दिखाती है, और एक राजनेता प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दूसरे की बदनामी करता है। और जब चुनाव आते हैं, तो वे प्रचार के नाम पर दूसरों पर हमला करते हैं और उन्हें गाली देते हैं। इस पाप में मीडिया की अहम भूमिका है। प्रिंट मीडिया, सोशल मीडिया और टेलीविज़न मीडिया में लोगों को अपमानित और बदनाम होते देखना और सुनना आम बात है। कुछ लोग तो संगठनों और उनके कर्मचारियों पर आरोप लगाने और उन्हें बदनाम करने किसी भी हद तक चले जाते हैं, मीडिया के ज़रिए झूठी ख़बरें फैलाकर उनकी प्रतिष्ठा को धूमिल करते हैं और यहाँ तक कि इससे पैसे भी कमाते हैं। पीठ पीछे किसी की बुराई करना, चुगली करना माना जाता है। गाँवों में, कुछ महिलाएँ समय बिताने के लिए एक साथ इकट्ठा होकर दूसरों के घरों में क्या हो रहा है, इस बारे में बकवाद करती हैं। और अगर गाँव की चार बूढ़ी महिलाएँ एक साथ बात करना शुरू कर दें, तो पूरा गाँव बंट जाएगा। मुश्किल यह है कि दूसरों की चुगली और बकवाद करने के बाद, ये लोग कहेंगे, 'हम ऐसी बकवाद में क्यों फसें?' हम ऐसी कई घटनाएँ बता सकते हैं। ऐसे लोग जो दूसरों को बदनाम करते हैं, बुरा-भला कहते हैं और उनका तिरस्कार करते हैं, उन्हें बाइबल में 'निन्दक' कहा गया है।

ये निन्दक किस तरह के लोग हैं?

ये वे व्यक्ति हैं जो हानिकारक और अनैतिक व्यवहार करते हैं जो भावनात्मक दर्द, प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचा सकते हैं और लोगों के बीच विभाजन पैदा कर सकते हैं।

बाइबल घोषणा करती है कि निंदा करनेवाला मूर्ख है (नीतिवचन 10:18)। यह मूर्ख क्या करेगा? वह दूसरों को तुच्छ समझेगा (नीतिवचन 11:12)। जो दूसरों को तुच्छ समझता है, वह ऐसा करके पाप करता है (नीतिवचन 14:21)।

निंदा करनेवाले दूसरों द्वारा बताए गए रहस्यों को उजागर करते हैं (नीतिवचन 11:13)। एक कहावत है कि 'एक ही पंख के पक्षी एक साथ रहते हैं'। इसी तरह, चुगली करनेवाले भी अपने जैसे चुगली करनेवालों से प्यार करते हैं (रोमियों 1:30, 32)।

इस पाप के बड़े पैमाने पर होने का कारण यह है कि हम अंतिम दिनों में जी रहे हैं। बाइबल कहती है कि अंतिम दिनों में लोगों में 19 बुरे गुण होंगे। उनमें से एक है निंदा करनेवाला होना (2 तीमुथियुस 3:1–5)।

दूसरों को तुच्छ समझने के क्या हानिकारक परिणाम हैं?

- दूसरों को तुच्छ समझना पाप है। जब मनुष्य पाप करता है, तो वह अपना आशीर्वाद खो देता है।

- आइए मीकल पर नज़र डालें, जिसने वाचा के सन्दूक के सामने नाचते हुए दाऊद का तिरस्कार किया (2 शमूएल 6:16)। संतान प्राप्ति का आशीर्वाद परमेश्वर की ओर से एक उपहार है, लेकिन मीकल ने यह आशीर्वाद खो दिया क्योंकि उसने अपने मन में दाऊद का तिरस्कार किया (2 शमूएल 6:23)।

- इसके अलावा, बाइबल घोषणा करती है कि चुगली करने वाले मृत्यु के हकदार हैं (रोमियों 1:30, 32) और यह कि परमेश्वर उन लोगों को नष्ट कर देगा जो गुप्त रूप से दूसरों की निंदा करते हैं (भजन 101:5)।

- बाइबल यह भी चेतावनी देती है कि जो लोग गुप्त रूप से दूसरों की निंदा करते हैं और उन पर आरोप लगाते हैं, वे शापित होंगे: "किसी दास की, उसके स्वामी से चुगली न करना, ऐसा न हो कि वह तुझे शाप दे, और तू दोषी ठहराया जाए।" (नीतिवचन 30:10)।

- कुछ लोग तो एक कदम और आगे बढ़कर प्रभु का तिरस्कार भी करते हैं। जो लोग परमेश्वर के वचन का तिरस्कार करते हैं, वे नष्ट हो जाएँगे (नीतिवचन 13:13)। परमेश्वर ही वचन है (यूहन्ना 1:1)। इसलिए, जो लोग प्रभु का तिरस्कार करते हैं, वे नष्ट हो जाएँगे। गिनती 16:30-33 को देखें, जहाँ धरती ने अपना मुँह खोला और उन लोगों को जीवित निगल लिया जिन्होंने प्रभु का तिरस्कार किया।

'निन्दा' का यह पाप न केवल हमें जीवित रहते हुए प्रभावित करता है, बल्कि यह हमारी आत्माओं को मृत्यु के बाद नरक में भी ले जा सकता है। बाइबल कहती है कि तिरस्कार करने वाले, चुगली करने वाले और निंदा करने वाले स्वर्ग के राज्य में प्रवेश नहीं कर सकते (1 कुरिन्थियों 6:10; भजन संहिता 15:1–3)।

प्यारे युवा भाई-बहन जो इसे पढ़ रहे हैं! जिस समय में हम रह रहे हैं, उसमें "दूसरों को तुच्छ समझने" का पाप इतना आम हो गया है कि बहुत से लोग इसे पाप के रूप में पहचानने में विफल हो जाते हैं। शायद आप सोच रहे हों, "मैं इतने लंबे समय से दूसरों को तुच्छ समझता रहा हूँ, लेकिन मुझे एहसास नहीं हुआ कि यह पाप है। मैं इस पाप पर कैसे विजय पा सकता हूँ?"

आज, खुद को परमेश्वर के सन्मुख समर्पित करें और प्रार्थना करें: "यीशु, दूसरों की निंदा करने के मेरे पाप के लिए मुझे क्षमा करें। मुझे फिर से यह पाप करने से रोकें और मुझे इस पर विजय पाने की कृपा प्रदान करें।" यीशु आपके पाप को क्षमा करेंगे, आपको मुक्त करेंगे और आपको इसके साथ आने वाली सज़ा से बचाएँगे।

प्यारे नौजवानों, शैतान एक दहाड़ते हुए शेर की तरह घूमता है, जो हमें "निंदा" के पाप के ज़रिए नरक में ले जाना चाहता है। इसलिए, सतर्क रहें और इस पाप के साथ आने वाली नरक की सज़ा से बचें। ठीक है, दोस्तों, अगले महीने, हम एक और पाप के बारे में जानेंगें जो नरक की ओर ले जाता है।

ट्रेन का सफ़र

भाग 6

एंड्रयू का फ़ोन तब बजा जब वह दफ़्तर में था। यह विक्की था। एंड्रयू टीम मीटिंग में व्यस्त होने के कारण फ़ोन पर बात नहीं कर सका। लेकिन विक्की एंड्रयू को लगातार फ़ोन करता रहा। अगले दिन तांबरम-तट ट्रेन में...

एंड्रयू: हे, विक्की.. क्या बात है? तुमने मुझे कल कई बार फ़ोन किया।

विक्की: मैंने तुम्हें सिर्फ़ यह पूछने के लिए फ़ोन किया था कि क्या हम बाहर जा सकते हैं। तुम इतने व्यस्त किस बात में थे कि फ़ोन नहीं उठा पाए?

एंड्रयू: उफ़्फ़! यह वाकई एक महत्वपूर्ण मीटिंग थी। पूरे भारत से कंपनी के अधिकारी आए थे। दुनिया भर में चल रहे जंग के कारण, बड़ा आर्थिक प्रभाव पड़ा, और हमारी कंपनी भी प्रभावित हुई। बस इस पर चर्चा करने के लिए...

विक्की: हम्फ़... हर जगह एक जैसी ख़बरें सामने आती हैं! इज़राइल-गाजा युद्ध, रूस-यूक्रेन युद्ध, हाल ही में इज़राइल-ईरान युद्ध... इन सबने पुरी दुनिया की अर्थव्यवस्था और निर्यात-आयात को बहुत प्रभावित किया है एंड्रयू।

एंड्रयू: इसके अलावा, कई अन्य देश भी जंग की तैयारी कर रहे हैं। वर्तमान में ऐसी स्थिति है कि मध्य पूर्व और दक्षिण पूर्व एशियाई देशों में 10 युद्ध होंगे। चीन और अमेरिका के बीच शीत युद्ध चल रहा है।

विक्की: यह सब देखकर ऐसा लगता है कि तीसरे विश्व युद्ध की संभावना बहुत अधिक है। मुझे नहीं पता कि क्या होने वाला है। इस बार, ऐसी खबरें हैं कि कई देशों के पास परमाणु हथियार हैं, जो चिंताजनक है।

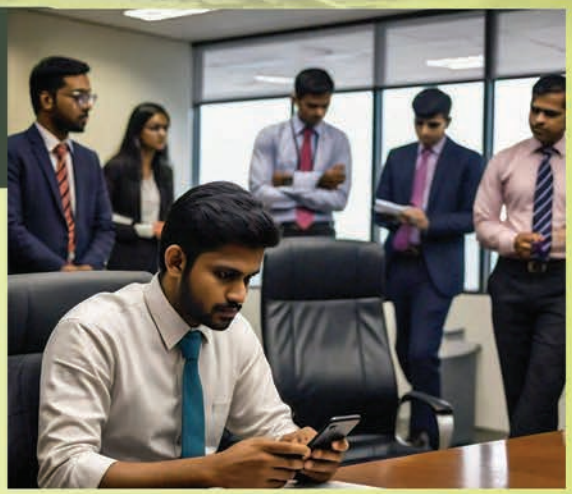

एंड्रयू: परमाणु हथियार खतरनाक हैं। वे बहुत बड़ी तबाही लाते हैं। इसके बारे में सोचना भी बहुत भयानक है...

विक्की: युद्ध से बहुत सारी जानें जाती हैं, अकाल पड़ता है, भुखमरी होती है और मौतें होती हैं... कोई भी इन सबके बारे में क्यों नहीं सोचता? ग्रह विनाश के बिंदु पर पहुँच गया है।

एंड्रयू: मुझे तुम्हें सच बताना है, विक्की। यीशु ने 2000 साल पहले बाइबल (मत्ती 24) में इसके बारे में कहा था।

विक्की: उसने क्या कहा?

एंड्रयू: यीशु ने कहा, "अन्त के दिनों में, बहुत मनुष्यों का प्रेम ठंडा हो जाएगा। तुम युद्ध और युद्ध की चर्चा सुनोगे। लेकिन जब यह सब हो, तो घबरा मत जाना।"

विक्की (सच में सोचते हुए): जो कुछ भी हो रहा है, वह आपकी कही गई बातों से मेल खाता है।

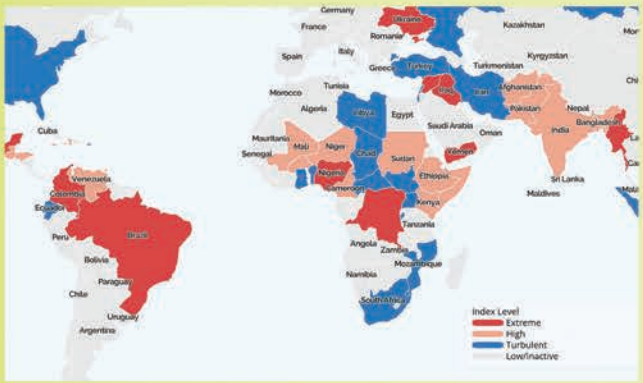

एंड्रयू: इस समय, युद्ध होने की भविष्यवाणी की जाती है, और उनके बारे में समाचार सुने जाएँगे। क्योंकि यीशु के दूसरे आगमन के प्राथमिक संकेतों में से एक यह है, इसलिए यीशु ने हमें ऐसे ही समय पर जागते रहने और प्रार्थना करने की आज्ञा दी है।

विक्की (पुनर्विचार करते हुए): आपकी बातों में कुछ हद तक संभावना है।

एंड्रयू ने अपने मन में परमेश्वर की स्तुति की, यह सोचते हुए, "अब तक, अगर मैं यीशु के बारे में बात करता, तो वह अपने कान बंद कर लेता; लेकिन अब वह सुनने लगा है। ऐसा लगता है कि मेरी प्रतिदिन की प्रार्थनाएँ परिणाम देने लगी हैं।"

एंड्रयू: बस दुनिया में जो कुछ भी हो रहा है, उसे देखो और सोचो। तुम समझ जाओगे।

विक्की (ट्रेन से उतरते हुए): कल शाम 4 बजे टर्फ ग्राउंड पर आना मत भूलना। हमारे सभी दोस्त भी वहाँ होंगे।

एंड्रयू: ठीक है, ज़रूर। (उसने अपना हाथ हिलाया और अलविदा कहा।)

उनकी बातचीत जारी है।

राष्ट्र के लिए प्रार्थना करें...

'यीशु छुड़ाता है'

विश्व जागृति प्रार्थना भवन

Our Branches

Mumbai (Dharavi)
World Revival Prayer Canter, T/1, Block No.11,
90 Feet Road, Rajiv Gandhi Nagar Dharavi, Mumbai - 400 017
Email: br.dharavi@jesusredeems.org, Ph: +91 8082410410

Mumbai (Malad)
World Revival Prayer Center, Bethel, Plot 305/E,
Mith Chowky Marve Road, Malad(w) Mumbai - 400064
Ph: +91 9664050567

Ranchi
World Revival Prayer Centre, Kadru Sarna Toli,
Near Argora Railway Station, Road no -1, Doranda P.O
Ranchi - 834 002, Jharkand,
Email: br.ranchi@jesusredeems.org, Ph: 9523336010

Chandigarh
World Revival Prayer Centre, SCO 1st Floor, Dhakoli-Kalka Road,
NH-22, Near City Court Zirakpur, Punjab- 160104
Email: br.chandigarh@jesusredeems.org, Ph: 9417726492

Delhi
World Revival Prayer Centre, Plot no 152, Ground floor,
Pratap nagar,opposite harinagar bus depot, New Delhi - 110064
Email: br.delhi@jesusredeems.org, Ph: 011-25616253 / 35580428

Come and Pray

हर पांचवें रविवार को हमारे पास युवाओं के लिए एक विशेष कार्यक्रम होता है - "रिवाइवल इग्नाइटर फ़ेलोशिप"। यह जीसस रिडीम्स मिनिस्ट्रीज के यूट्यूब चैनल पर 29/09/2024 और 29/12/2024 को दोपहर 3:00 बजे "लाइव" प्रसारित किया जाएगा।
कृपया अधिक जानकारी के लिए नीचे दिए गए नंबर पर हमसे संपर्क करें।

YouTube Jesus Redeems - Hindi | Comforter DIGITAL CHANNEL | www.comfortertv.com

संपर्क संख्या : +919750955548

इग्नाइटर्स यूथ फ़ेलोशिप एक जगह है जहां युवा अपनी आध्यात्मिकता को प्रज्वलित करते हैं जीवन की गहन सच्चाइयों की खोज करें बाइबल, और प्रार्थना करने में शक्ति पाएँ एक समूह के रूप में देश।आपका स्वागत है
इस फ़ेलोशिप में शामिल होने और बढ़ने के लिए मज़बूत। चलो भी! अपने आप को मजबूत करो,और दूसरों को मजबूत करने के लिए तैयार हो जाइये !

हर पहले रविवार

Mumbai – Dharavi
Timing: 5.00 PM- 7.30 PM
World Revival Prayer Centre
2nd Floor, Above Balakrishna
Farsan Mart, Opp. Apna Restaurant,
Near Kamarajar School,
90 Feet Road,
9004882470

हर दूसरे रविवार

THANE
Timing: 5PM - 7:30PM
R.P. Mangala High School
(Near Railway Station),
Room No.10,
Opp. Bank of Maharashtra,
Thane (East)
9004882470

हर चौथे रविवार

Mumbai-Malad
Timing: 4.00 PM – 6.00 PM
Bethel Ground Floor
305/E, Mith Chauky,
Marve Road,
Malad (W)
9664050567 | 9619996976